

---

Kaverisnadanadishlokah

——  
कावेरीस्नानादिश्लोकाः

——  
Document Information



---

Text title : Kaveri Snanadi Shlokah

File name : kAverIsnAnAdishlokAH.itx

Category : devii, nadI, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Prabha Maruvada

Description-comments : Kaveri Stuti Series No. 532 Thanjavur Sarasvati Mahal Series

Latest update : July 7, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 8, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---


Kaverisnanadishlokah

——  
कावेरीस्नानादिश्लोकाः  
——


सिन्धुवर्ये दयासिन्धो मामुदर भवाम्बुधेः ।  
प्रदेहि भुक्तिं मुक्तिं त्वं सर्वतीर्थस्वरूपिणि ॥ १ ॥  
श्रियं देहि सुतं देहि स्त्रियं देहि ददस्व गाम् ।  
आयुष्यं तेज आरोग्यं ऋणमुक्तं कुरुष्व माम् ॥ २ ॥  
त्वयि स्नास्यद्य कावेरि सर्वपापविशुद्धये ।  
अर्घ्यं गृहाण मे देवि यथोक्तफलदा भव ॥ ३ ॥  
कावेर्यै नमः इदमयम् ।  
नमस्ते तटितां मुख्ये निगमागमसंस्तुते ।  
पाहि पाह्यम्ब कावेरि प्रपन्नं मां कृपा दृशा ॥ ४ ॥  
सह्यजोद्भवसम्भूते श्रीकुम्भभवसंस्तुते ।  
पाहि पाह्यम्ब कावेरि प्रपन्नं मां कृपा दृशा ॥ ५ ॥  
इति कावेरीस्नानादिश्लोकाः सम्पूर्णाः ।

Proofread by Prabha Maruvada

---

——  
*Kaverisnanadishlokah*

pdf was typeset on July 8, 2024

——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)